International Journal of Research
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 02 Issue 13
December 2015

ग्रामीण युवाओं हेतु अनौपचारिक शिक्षा एजेंसी के रूप में नेहरू केन्द्र संगठन (NYKS) की प्रासंगिकता एवं महत्वः–

प्रतिमा तिवारी
एम.ए. शिक्षाशास्त्र विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

युवा किसी भी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। प्रत्येक राष्ट्र स्वयं को वैचारिक आर्थिक, सामाजिक राजनैतिक एवं सास्कृतिक रूप से सशक्त करने हेतु अपने युवाओं पर निर्भर है। भारत ने भी अपनी युवाशक्ति को संगठित एवं संतुलित रूप से मानव संसाधन माना है। युवाओं की ऊर्जा एवं कार्यक्षमता को राष्ट्रनिर्माण एवं स्वयं युवाओं के व्यक्तिगत विकास हेतु उपयोग में लाने के लिए सन् 1972 में नेहरू युवा केन्द्र संगठन की स्थापना भारत सरकार द्वारा की गयी। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं के लिए नेहरू युवा केन्द्रों की स्थापना करना था। ग्रामीण युवाओं को ध्यान में रखकर 15 वर्ष से 35 वर्ष के युवाओं का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास करने के लिए समय–समय पर संगठन द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को स्वयं के विकास एवं राष्ट्र के विकास के लिए प्रोत्साहित किये जाने का प्रयास निरन्तर गतिशील है। नेहरू युवा केन्द्र संगठन, भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक स्वायत्तशासी संगठन है।

उद्देश्यः–नेहरू युवा केन्द्र संगठन के उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. ग्रामीण युवाओं को राष्ट्रीय विकास में सम्मिलित करना।
2. ग्रामीण युवाओं को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान करना और आधुनिक एवं तकनीकी कुशल राष्ट्र का निर्माण करना।
3. जाति, रंग, लिंग और धर्म जैसी विभिन्नताओं को दूर करना और राष्ट्रीय एकता का प्रचार–प्रसार कर समरस समाज की स्थापना करना।
4. रोजगार सृजन, साक्षरता परिवार कल्याण और पर्यावरण संतुलन जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र में कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने हेतु संगठन का उपयोग करना।
5. जन स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनसंचार की सुविधाओं को ग्रामीण जनमानस तक उपलब्ध कराना।
6. राजकीय योजनाओं का प्रचार प्रसार करना।

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 02 Issue 13
December 2015

संक्षेप में कहे तो नेहरू युवा केन्द्र संगठन एक ऐसा संगठन है जो गांधी जी के ग्राम स्वराज एवं विकास कार्यक्रमों के साथ ही नेहरू जी के सशक्त एवं संयुक्त भारत के स्वराज को साकार करने में एक उपयोगी उपकरण साबित हो रहा है।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन की कार्य प्रणाली एवं सरचनाः–

नेहरू युवा केन्द्र संगठन का चार स्तरीय ढांचा है। नेहरू युवा केन्द्र संगठन के शीर्ष पर शासी बोर्ड (बोर्ड ऑफ गर्वनर्स) हैं। भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री शासी बोर्ड के पदेन अध्यक्ष होते है। महानिदेशक इसके कार्यकारी प्रमुख होते है। संगठन के दिन–प्रतिदिन के गतिविधियों का प्रबंधन महानिदेशक द्वारा संचालित होता है। देश में 29 राज्यस्तरीय कार्यालय है, मंडल निदेशक प्रत्येक मंडल का प्रमुख होता और संगठन के कार्यक्रमों को भली भांति संचालित करता है।

जिले में स्थापित नेहरू युवा केन्द्रों का कार्यालय प्रमुख जिला युवा समन्वयक होता है। क्षेत्र में युवा आंदोलन को नेतृत्व प्रदान करना इसकी जिम्मेदारी है। इसकी सहायता के लिए एक लेखा लिपिक सह–टंकक, एक परिचायक, राष्ट्रीय युवा कोर के स्वयं संवाक जिसकी नियुक्ति युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की योजना के अनुसार की जाती है। यह सबसे महत्वपूर्ण स्तर है, जहाँ पर विचारों के वास्तविक स्वरूप प्रदान किया जाता है। जिला मजिस्ट्रेट/कलक्ट्रर की अध्यक्षता में प्रत्येक जिले में एक समिति होती है।जिसे युवा कार्यक्रमों के लिए जिला युवा कार्यक्रम सलाहकार समिति कहते है। यह समिति जिला नेहरू युवा केन्द्र के क्रियाकलापों का मार्गदर्शन, एवं सहयोग प्रदान करती है। यह समिति वार्षिक कार्ययोजना पर विचार करती है और अनुमोदन प्रदान करती है। इस समिति का गठन इस प्रकार किया जाता है कि जिले मे विकास से जुड़े मुख्य सस्थानों और विभागों का इसमें प्रतिनिधित्व हो जिससे कार्यात्मक सम्पर्क बनाने और संसाधनों के जुआने में सहायता मिलती है।

वर्तमान समय में नेहरू युवा केन्द्र द्वारा किये जा रहे कार्यों की सूचीः–

वर्तमान समय में जिला स्तरीय नेहरू युवा केन्द्र द्वारा किये जाने वाले कार्यों को निम्नलिखित प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है–

जिला नेहरू युवा केन्द्र द्वारा प्रत्येक ब्लाक स्तर पर किसानों की जानकारियाँ प्रदान करने के लिए सरकार के किसान सेवा केन्द्र के निर्माण के निर्माण एवं विकास में सहयोग देखने को मिलता है। जिसमें किसानों को कृषि योजनाओं, पशुपालन सरकारी सब्सिडी एवं किसान क्रेडिट कार्ड से सम्बन्धित अति उपयोगी सूचनाएं प्राप्त होती है। मृदा परीक्षण, नवीन

International Journal of Research Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 02 Issue 13
December 2015

सिंचाई तकनीकी से किसानों को जागरूक किया जाता है। कार्बनिक खादों के निर्माण एवं इसके लिए सरकारी अनुदान की योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है।

जिला नेहरू युवा केन्द्र द्वारा ग्रामीण युवाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास मिशन जैसी सरकारी योजनाओं के अन्तर्गत संचालित कौशल संस्थाओं के माध्यम से रोजगार परक कौशलों जैसे– कम्प्यूटर शिक्षा, कुटीर उद्योग, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं अन्य शिल्पों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

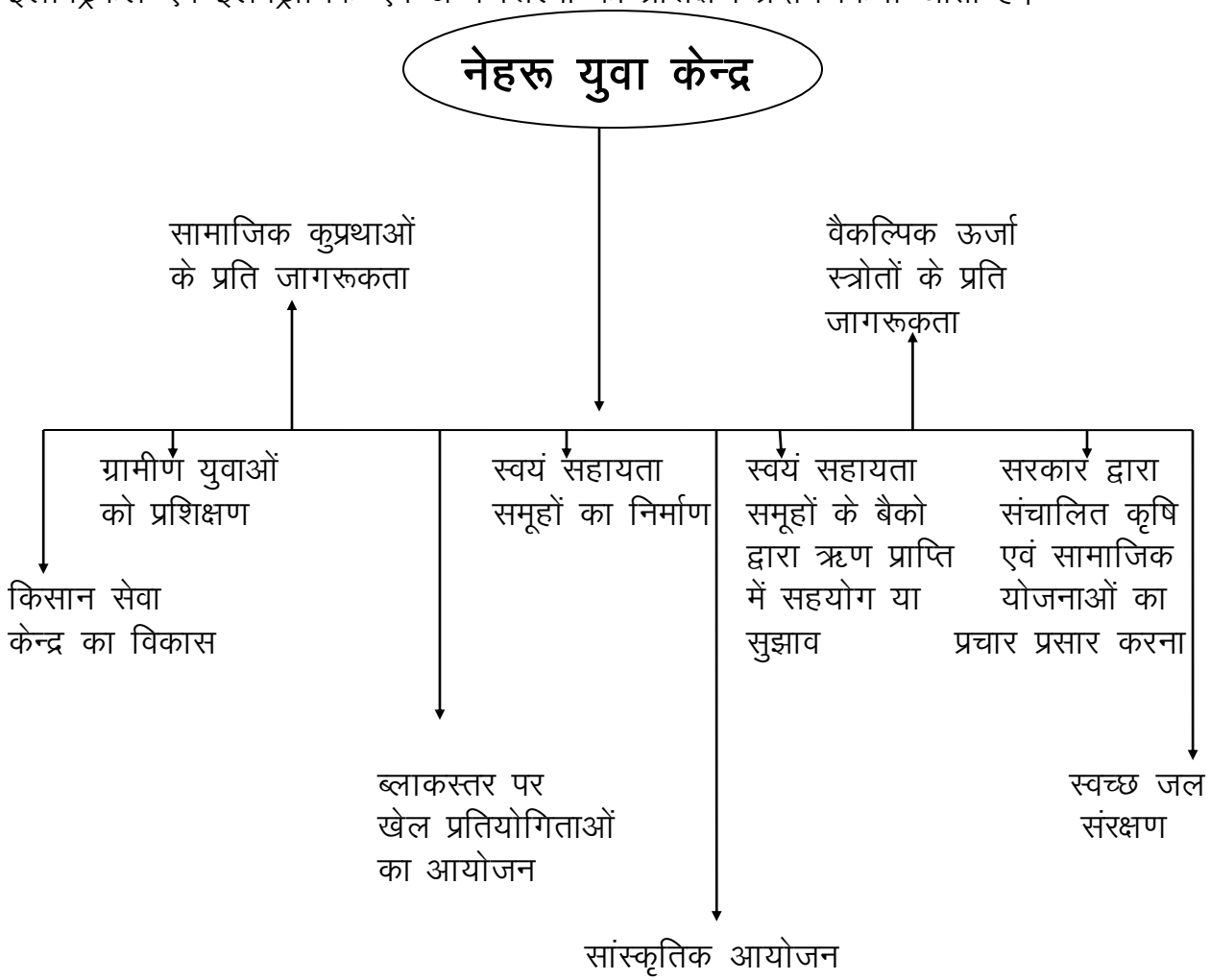

समय–समय पर जिला नेहरू युवा केन्द्र, जिला रोजगार कार्यालय के माध्यम से ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार मेले के आयोजन भी जिलास्तर पर संचालित करता हैं।

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 02 Issue 13
December 2015

महिला सुरक्षा के सन्दर्भ में जिला नेहरू युवा केन्द्र ग्रामीण युवतियों को महिलाओं के अधिकार एवं सुरक्षा से सम्बन्धित कानूनी एवं संवैधानिक प्रावधानों का कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करता है जिससे बेटियां एवं ग्रामीण महिलाएं स्वयं के अधिकारों एवं सुरक्षा कानूनों के बारे में सजग रहे। उ0प्र0 सरकार द्वारा 1090 हेल्पलाइन का स्त्री सुरक्षा के लिए उपयोग एवं एंटी रोमियो स्क्वायड के बारे में महिलाओं को जागरूक करना भी संगठन का कार्य है।

जिला नेहरू युवा केन्द्रो द्वारा समाज में फैली कुरीतियाँ जैसे– दहेज, बाल–विवाह, भ्रूण हत्या, यौन शोषण, ऊँच–नीच, छुआ–छूत एवं बालश्रम जैसे समाज विरोधी कृत्यों के प्रति ग्रामीण जनों में जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटकों लोकगीतों एवं नारों के माध्यम से जागरूकता फैलायी जाती है।

जिला नेहरू युवा केन्द्र के माध्यम से ग्रामीण युवाओं में एकता स्थापित करने के साथ ही ग्रामीणों को आत्मनिर्भर एवं समृद्धशाली बनाने हेतु स्वयं सहायता समहों के गठन, प्रशिक्षण की व्यवस्था करायी जाती है। स्वरोजगार एवं कुटीर उद्योगों के माध्यम से स्वंय सहायता समूह में शामिल ग्रामीण को आर्थिक रूप से स्वतंत्र एवं समृद्ध बनाने में नेहरू युवा केन्द्र की भूमिका सर्वथा आर्थिक क्रान्ति के क्षेत्र में एक सार्थक कदम है।

जिला नेहरू युवा केन्द्रों द्वारा ब्लाक स्तर पर ग्रामीण युवाओं हेतु अन्तर ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को पुरस्कृत किया जाता है। समृद्ध खिलाड़ी को राजकीय एवं राष्ट्रीय स्तर खेल हेतु प्रोत्साहित भी किया जाता है।

समय–समय पर जिला नेहरू युवा केन्द्र के माध्यम से सांस्कृतिक आयोजन किये जाते हैं, जिससे समुदायों में आपसी प्रेम भाई चारा, सद्व्यवहार, आपसी विश्वास के साथ ही समरस समाज की स्थापना का उद्देश्य पूर्ण हो सके। इसके साथ ही ग्रामीण युवाओं में नई ऊर्जा का संचार करने में ये सांस्कृतिक आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला नेहरू युग केन्द्र के माध्यम से गठित स्वंय सहायता समूहों को अपने उद्यम स्थापित करने हेतु वित्तीय संसाधन की उपलब्धता में भी नेहरू युवा केन्द्र सहयोग प्रदान करते हैं। बैंको की औपचारिकताओं के बारे में स्वंय सहायता समूह को प्रशिक्षित करने के साथ ही ऋण हेतु एक समन्वयक की भूमिका भी निभाते हैं।

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 02 Issue 13
December 2015

ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा एवं मैकेनिकल ऊर्जा वैकल्पिक ऊर्जा श्रोत के प्रति ग्रामीणों के जागरूक करने में जिला नेहरू युवा केन्द्र की भूमिका प्रशंसनीय है। प्रधानमंत्री द्वारा संचालित उज्जवला योजना (स्वच्छ ईधन उपयोग) का प्रचार प्रसार करने में भी जिला नेहरू युवा केन्द्र की भूमिका देखने को मिलीं।

सरकार द्वारा संचालित कृषि से सम्बन्धित योजनाओं जैसे–खाद सब्सिडी, स्वरोजगार, पशुपालन आदि के बारे में जागरूकता अभियानों का संचालन जिला नेहरू युवा केन्द्र द्वारा किया जा रहा है। किसान क्रेडित कार्ड एवं सिंचाई सुविधाओं पर मिलने वाली सरकारी सब्सिडी के साथ ही कृषि बीमा, पशुधन बीमा जैसी अति उपयोगी एवं महात्वाकांक्षी सरकारी योजनाओं का प्रचार– प्रसार करने के साथ ही ग्रामीणों को इन योजनाओं के लाभ दिलाने हेतु जिला नेहरू युवा केन्द्र सक्रिय एवं उपयोगी सहयोग किसानों एवं ग्रामीणों को प्रदान कर रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ जल प्रबंधन एवं पेयजल के सुरक्षित उपयोग हेतु जिला नेहरू युवा केन्द्र सक्रिय भूमिका निभाता है। ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने एवं दूषित पेयजलों श्रोतों की पहचान करते हैं। सरकार द्वारा पेयजल से सम्बन्धित योजनाओं के बारे में प्रचार–प्रसार के साथ ही इनके प्राप्ति हेतु किये जाने वाले उपाय एवं जल संरक्षण तकनीक की सूचना भी जिला नेहरू युवा केन्द्र के माध्यम से ग्रामीणों को प्राप्त होती है।

ग्रामीण युवाओं हेतु अनौपचारिक शिक्षा अभिकरण के रूप में नेहरू युवा केन्द्र संगठन का महत्वः–

नेहरू युवा केन्द्र संगठन 15 वर्ष से 35 वर्ष की आयु के ऐसे युवाओं को प्रशिक्षित करने का कार्य करता है जो औपचारिक शिक्षा से सम्बन्धित नहीं होते अर्थात् हम कह सकते हैं कि 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे ग्रामीण जो औपचारिक शिक्षा का अंग नहीं है उनको नेहरू युवा केन्द्र के माध्यम से कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ग्रामीण युवाओं में नेतृत्व समूह समायोजन के साथ ही सामाजिक गुणों को विकसित करने का अवसर ग्रामीण युवाओं को प्राप्त होता है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना है। इसी सर्वांगीण विकास को नेहरू युवा केन्द्र संगठन भी अपना उद्देश्य मानता है इसीलिए ग्रामीण युवाओं को समूह में कार्यकरने, नेतृत्व करने के साथ ही आर्थिक रूप से समृद्व करने का कार्य करता है। इस प्रकार हम देखते हैं कि सांस्कृतिक क्रियाकलापों से सामाजिक उद्देश्य, खेलकूद प्रतियोगिता के द्वारा सामाजिकता,

e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 02 Issue 13
December 2015

स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आर्थिक विकास के साथ ही ग्रामीण युवाओं की समृद्धि एवं खुशहाली के लिए नेहरू युवा केन्द्र संगठन एक अनौपचारिक शिक्षण अभिकरण के रूप में अनूठी पहचान बनाने में सफल होता दिख रहा है। ग्रामीण युवाओं के संगठन के कार्यात्मक शैली से अवगत कराया जाना चाहिए जिससे अधिक से अधिक ग्रामीण युवाओं को सफल बनाया जा सके।

सन्दर्भः–

1. गुप्ता, एस0पी0 भारतीय शिक्षा की समस्याएं (2016), शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
2. पाण्डेय, राम सकल एवं चतुर्वेदी, ममता, उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक (2014–2015)
3. www.nyks.org
4- NYKS वार्षिक रिपोर्ट (2013–14)

प्रतिमा तिवारी
(अतिथि प्रवक्ता)
सी0एम0पी0 डिग्री कालेज
इलाहाबाद